भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3555
दिनांक 24.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

रासायनिक निर्यात और व्यापार संबंधी प्रतिस्पर्धात्मकता

3555. श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण:
श्री दीपक प्रकाश:
श्रीमती सीमा द्विवेदी:
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
डा. मेधा विश्राम कुलकर्णी:
श्री मस्तान राव यादव बीडा:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान भारत के रासायनिक निर्यात का कुल मूल्य कितना है;

(ख) क्या सरकार ने विशिष्ट रसायनों के निर्यात के विस्तार हेतु प्रमुख बाजारों की पहचान की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) रासायनिक निर्यात के लिए वैश्विक गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने हेतु मानकीकरण संबंधी क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) क्या मंत्रालय ने भारतीय रासायनिक निर्यात को प्रभावित करने वाली विनियामक बाधाओं को दूर करने के लिए व्यापार संबंधी वार्ताएँ की हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) विगत 5 वर्षों के दौरान भारत से निर्यात किए गए रसायनों और पेट्रोरसायनों का कुल मूल्य निम्नलिखित है:

(करोड़ रुपये में)

एचएस कोड	सामग्री	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
28	इनऑर्गेनिक रसायन	12301	19800	26641	26,551	34,411
29	ऑर्गेनिक रसायन	133637	164815	171546	1,68,171	1,70,243
32	टैनिंग या डाइंग	22660	29513	26528	32,997	30,116
38	विविध रासायनिक उत्पाद	37886	52416	63282	54,454	59,002
39	प्लास्टिक और उससे बनी वस्तुए	51004	67440	61518	61,117	69,000
4002	सिंथेटिक रबर और फैक्टिस	821	1141	964	14,576	14,969
54	मानव निर्मित फिलामेंट	11470	18070	15731	13,569	13,643
55	मानव निर्मित स्टेपल फाइबर	9559	15402	14283	1,096	1,382.02
कुल रसायन और रसायन उत्पाद		**2,79,337**	**3,68,597**	**3,80,493**	**3,72,535**	**3,92,769**

(ख) रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र में भारत के लिए प्रमुख निर्यात बाजार इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	देश	रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र में भारत के निर्यात में देशों की प्रतिशत हिस्सेदारी
1	संयुक्त राज्य अमेरिका	14.27
2	ब्राज़ील	5.20
3	चीन	4.39
4	यूएई	4.36
5	बांग्लादेश	3.21
6	नीदरलैंड	2.97
7	जापान	2.95
8	सऊदी अरब	2.82
9	जर्मनी	2.78
10	सिंगापुर	2.75

इसके अलावा, निर्यात बाजारों का विस्तार करने के उद्देश्य से, सरकार ने विभिन्न व्यापारिक साझेदारों के साथ 16 मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और 6 अधिमान्य व्यापार समझौतों (पीटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं / उनको अंतिम रूप दिया है।

(ग) व्यापार विनियम, प्रत्यायन और अनुपालन सक्षमीकरण (टीआरएसीई) निर्यात प्रोत्साहन मिशन की निर्यात दिशा उप-योजना का एक प्रमुख घटक है, जिसका उद्देश्य एमएसएमई को वैश्विक बाजार तक पहुंच के लिए अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता, सुरक्षा और तकनीकी मानकों को पूरा करने में सहायता प्रदान करना है। इस पहल के तहत, परीक्षण, निरीक्षण, प्रमाणन, लेखापरीक्षा, ट्रेसएबिलिटी प्रणालियों और अन्य अनुरूपता-मूल्यांकन आवश्यकताओं के लिए किए गए उचित व्यय की आंशिक प्रतिपूर्ति की जा रही है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानकों के अनुपालन को प्रदर्शित करने के लिए आवश्यक हैं।

(घ) वाणिज्य विभाग, व्यापार वार्ता के लिए नोडल विभाग के रूप में, भारतीय रासायनिक निर्यात को प्रभावित करने वाली विनियामक बाधाओं को दूर करने के लिए साझेदार देशों के साथ व्यापार वार्ता कर रहा है। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ के साथ हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में, भारत ने व्यापार में तकनीकी बाधाओं (टीबीटी) से संबंधित एक अलग अध्याय पर बातचीत की है, जिसके तहत तकनीकी विनियमों और अनुरूपता मूल्यांकन से संबंधित अनुच्छेदों को शामिल किया गया है। एफटीए में व्यापार को सुगम बनाने, अनावश्यक प्रतिबंधों से बचने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए विशिष्ट प्रतिबद्धताएं हैं, साथ ही गैर-टैरिफ और विनियामक बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से मुद्दों को हल करने और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तक पहुंचने के लिए परामर्श और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करने का भी प्रावधान है।

*****